

निरुपसर्ग विधि-

४३९

आशुः सरुकाथि

894

ASHA ARCHIVES

आशा सरकाथि

894

ASHA ARCHIVES

४३९

१ श्रीगणेशाय नमः - श्रीसुखदेवतायानित्या
चेनविधिर्लिख्यते - ग्रीष्मावस्य ३ न्यासः ४ ना
हायपूजा - श्रीसुखदेवतापूजाद्वयार्थित्वे न्यावा
हनादि तत्तत्तत्तीर्थसाधने श्रीसुखदेवतापूजा
पात्रसहाय पुनः ५ पूजा सर्वविधिसमुत्तमा

यदेककेलात्मनेनमः ४ मूद्राकने नृपद्वयकीधन
श्रीकृष्णाय नमः श्रीमहासूत्रा सुखिमतीहार्प
त्रयगु वृक्षादुरवहसुसंहर्गमः ४ खनसमावह
आपत्रीगमहापात्रीपीयूषनसमावह पूजा संस्था
मममुत्तमायवा ७ एककेलात्मनेनमः ४ वलिगय

नमः सर्वयथिक देवस्थानमः नृषवर्तिसर्वयथि
कदेवस्थानमः स्वयं यथिनीवाले हनमः १
मूलमंगल ज्ञासया स्वास नन्म त कृतिनके
वाय पूजा हनमः वामदेवाय वीषट् वामदे
वाय नमः पठुपतय नमः पठुपतय नमः

८ अप ऊँ ऊँ पत्रम स्वामिनी पत्रमा काञ्चनदुस
र्योतिरुक्ता हि पातुं विष्णु विष्णु स्वाहा ३ गमयती
वेङ्कटेश्वरी नानन्दे च वराय विद्महे स्वदेवी धीमही
त न्ना इन्द्रा नारी च वराय प्रचोदयात् ३ वृद्धकृष्णाय
माचन वेङ्कटेश्वरी वां वीं वूँ वेँ वीँ वेँ वेँ वृद्धकृष्णाय वि

माविताये सुखदेवे नमः ३ ह्रस्वः पमाचने
(ॐ) ऊँ कीं श्रीं कों कौं कूँ कैं कौं कः ह्रस्वः पमाचने रजः
तं ह्रस्वः पमाचने ॐ कीं श्रीं ह्रस्वः
ह्रीं ह्रस्वः ॐ ह्रस्वः पमाचने माविताये सुखदेवे नमः
कृत्तिका मंत्रे ह्रस्वः पमाचने प्रकृत मूद्रा नगा कपूर्य

ऊँ कीं श्रीं कों कौं कूँ कैं कौं कः कृत्तिका मंत्रे ह्रस्वः
रितिविकारा नमः देवा स्वहनहन स्वाहा ३ घट
पूर्व विराट् - ह्रस्वः मूद्रा नगा कपूर्य ॐ कीं श्रीं
ॐ श्रीं ॐ श्रीं नमः देवे नमः नमः देवे नमः
नमः देवे नमः ॐ श्रीं नमः देवे नमः

कौहंसं ४ कौवं (धनमूदीदधियत) कौविद्यात
त्यायस्वाहा यानिमूदीदधियत नैउ प्रमां आन
नृरुतवायनमः आननृरुतवायनमः सुषट
नैउ मूदी सुधदधनमः सुधदधनमः सुषट
नैउ मूदी सुधदधनमः सुधदधनमः सुषट
नैउ मूदी सुधदधनमः सुधदधनमः सुषट

४ वरहमयनम ८ मूलमनुहाधल १० ऊप
ध्यान नीलहयसमानाधिरुद्रपुत्रप्रणीतिनीला
हुकारनहामाल्यविलेपनाद्या निद्रायटनगु
वनातिनिशोदधनीखड्गयधरुगवतीपत्रीपा
गुरुकान्ध ध्यानपूष्यनमः ४ कौकौत्रैग्लीति

नमो ह्येकैकं सकलजनवाग्वादिनी सकलयुवातमन
जनवक्षुपद (५) गुणिति ह्यष्टा किंवाचसिति न
स्ति न हीरे न २००० स्वाहा पावमान ४ पत्रानन्द
पावमान पत्रानन्द ४ पावमान पत्रानन्द नत पा
वमान्यहं पुं प्रतदि प्रकृतं वीर्यं हा मृत् (५) न

श्रीमहेश्वरागिनिष्ठः यस्यां त्रिषु विष्णुमन्त्र
 सुप्रतिष्ठित्यनिरुवनातिविष्णुं पुं प्रीतिमिति
 पुं हृष्टं सः सुविषट् वसत्रकत्रिदसः क्षातावदिष
 दतिथिदिना नसत नृषद्वनसह न सद्या मजा सदकु
 र्गमजा इआगजा इअदेजा इअगीष्टहत् पुंगदि

हाथीमात्रिकाविज्ञपादकां गल्लंस्ल्लंस्ल्लंस्ल्लंस्ल्लं
म४ पंचत्रत्तायनम खड्गुडु रज्जु आवाह
तादि यानिमृदा विन्यस्य स्नानयाचकं
पुकारंवायुवीजं गद्रपत्रिवरुहोव कृपाहीनद्र
इ कारंवेहकनियुक्तं गद्रपत्रमंवेहिवीजं सहर्तं

ॐ नमो विन्दुलयां नमो सिगकमलधरीदीनधमास
मर्कं दृष्ट्वा दृष्टं पुष्कं दहति कलवरीमत्रपुल्या
हिपायं अलिस्नानं सताहाकि हिवामीसं स्व
नेत्समित्यानेनेकं मं अद्रि सिद्धिप्रदं प्रहयं अलि
स्नानाददाम्यहं यन्दनं ह्योखं ह्युचन्दनं दिवी

गन्धर्वसुमनाहरे श्रीरतीतललाताखीवन्द
नेपुतिगटकुर्गी पुष्प नानाप्रवृत्तहरीधनिमा
लत्याकसुमादय मोलागधमिद्विदेहदृष्ट्यात्री
हनमलमं **द्रुक्कन** ॥ श्री **श्री**
योगधनेकावल्लिंगमन्त्रे **श्री** **श्री** याय

नामिने न्यासयाय **ॐ** नैत्रमायक ४ **ॐ** नै
नैगुष्ठाखीनमः **ॐ** नैकायनैनीखीनमः
ॐ नैवैवः स्वः कालिनीमधुमाखीनमः **ॐ** नै
नामिकाखीनमः **ॐ** नैरानवकनिष्ठाखीनमः
ॐ नैकनैलएखाखीनमः **द्रुदयादि** **ॐ** नै

दयाय नमः ॐ नमो यक्षि तम स्वाहा ॐ नमो व
ॐ स्वः कालिनी शिखायै वीषट् ॐ हं कवचाय हं
ॐ गानधेनवप्रियाय वट् ॐ नमो अस्तु यरुट् ता
हापो पूजा आत्मपूजा नैः सूर्यपूजा नैः ध
वलपद्मा सनाय नमः ॐ कौंक्षी सः ॐ सूर्याय न

मः गङ्गादेवी शक्ति सहिताय नमः ३ वलि
आवाहनादि गायत्री उग्रतज्जाय विद्यहे महारा
सुगायधी महितन्त्रा गान्धः प्रवादयात उप
कौंक्षी सः स्वाहा १० साग्र नकावर्द्ध सहसादि
नकावर्द्ध शानि सफा च तथमा नन्दं ग्रहना जं

नमाम्यहं नत्सर्वविधिपरिपूर्वमस्तु नात्र
येहीपूजा उगत्र तासनाय नमः उं को सः
नेमीतात्रा यद्वयविठ्ठलमन्त्रं को सः साहा त्र
उं ऊया देवी हा किं सहिताय नमः वलि आवा
हनादि गमयत्री उं विष्णु रूपाय विष्णु हनात्रा

यद्वयधीमहि गन्त्र च गः प्रवाद्यात् उप
उं को सः साहा १० सागु नात्रा यही नम
स्वरूपन त्रिवेन त्राक्रम देवी सत्र स्वगी चैव
गुणा ऊय मुदीन यत् न्निगम च वि त्वं न त्स
च विधि पूरु मस्तु शिव पूजा उं रुपा सना

बेहूँ हाकी छवरी सा नन्दे सून नाथ के स्य रागवाने पू
हूँ को मयुट वागी (समवेने देसु वागव पेटे वा मादि
चके छवरी व्याधी (सम कविना हा कुरुत य रा मयु
ऊय ग्राहिमी लिङ्ग चन वि (वगत्सर्व विधि पात्र
रहूँ मरु न्छात्र राजा पुता सनायन म०

ऊन्त्र्यात्र जाँथ द्यात्र द्यौ द्यात्र द्यात्र तत्र हूँ
हूँ सर्वतः सर्व सर्व द्यौँ शस द्यौँ त्रुप द्यौँ हूँ
शिखा स्वकुन्द महा शत्रवायन म० ३ वलि
आवाहनादि मयग्री ऊप नुन्त्र्यात्र जाँ
स्वाहा १० साग यागि नात्रिच पापा निव

महत्याहातानि च - तानि तानि विनश्यन्ति प्रद
क्रिहापदपद गह्वराष्ट्रजा - गर्गगिरिकूल
गह्वराष्ट्रयत्नमः ३ वलि आवाहनादि
गमयन्ती तत्पुत्रवायविद्महवक्रगुह्ययधीमहि
गन्नादनीप्रचोदयात् ऊप गर्गगिरिस्वाहा

१० स्तोत्र गह्वराष्ट्रयत्नमः ३ वलि आवाहनादि
नविाष्ट्रयत्नमः ३ वलि आवाहनादि
यन्त्याल्लिकार्थं लिङ्गमर्चनस्वस्मानवासी रुर्व
पु ४०० लिङ्गमर्चनविधिः
श्रीशिवकार्यनमः ४ लासासंस्कृत्ये प्रित्वा

वमः सूर्यार्धः ४ अथ श्रीरूपचिन्मयैर्धैः
समहमायाकृद्विकृतिलक्ष्मीप्रियतसन्दर्शनी
द्वानित्येकैर्धैः श्रीसूर्यार्धः ४ अथैतन्मः
नृञ्जन्महत्तानि स्यैकैर्धैः वलित्तिन्यासकुलाद्य
पाप्ररुग्नुद्विज्जोत्प्रेरुजार्गयाय श्रीसन्वर्क

आवाहन प्राद्यप्रतिष्ठा पाद्यादिचन्दनपूर्य
यैववलित्तिपूजा अथैतन्महत्तानि स्यैकैर्धैः
द्वानित्येकैर्धैः श्रीसूर्यार्धः ४ वलित्ति - प्रिष्ठुद्विपूजा
नृञ्जन्महत्तानि स्यैकैर्धैः वलित्ति - प्रिष्ठुद्विपूजा
वलित्ति - प्रिष्ठुद्विपूजा

कलैखजा ना श्रीसमकी आवाहन - प्रियवरा
- मूडासह - नैवात्मापूजा त्यास जें नृणा
परुट ८ हसै नै गुणारपीतमः कर्मगर्जनी
त्योनेमेः लवै मध्यापारपीतमः त्रयं नृनामि
कार्यो नमः उक्तो कनिष्ठा रपीतमः - श्रीद्रव्य

नगलए ठारपीनमः प्रवैष्टदयादि पद्मास
नायपाइकी हावासनायपाइकी ध्यान हा
वपद्मासन सैचंदहावकुं गिलावने दहापूरु
ऊठा सैचंधायंदर्वनवात्सर्ग ध्यानपूर्व्यनमः
जें अमृतानंदहाकिरे नवाने नंदवीनाधिप

तथे म्युं श्रीनवात्मागुत्रमहोलरकात्रकायपाइ
 की पूरुं कृपामिनमः ३ गमयणी कृदिकाय
 विमहयति वलि सु श्रीनवात्माहकात्रकाय
 ०० देवलिगृह २ स्वाहा श्री - आवाहनादि - गिरु
 लया निमडा देवयत्त श्री - गुत्रपकि पूजा नुं

ऊ म्युं गुत्रपकिरकात्रकायपाइकी पूरु ३ व
 लि दु आवाहनादि खनमडा - आषधी पू
 आ श्री - वुं ऊ म्युं आषधी कर्मरकात्रकायपा
 इकी पूरु ३ श्री - यो निमडा श्रीकृष्ण
 आ कुं दृषा सता ययपाइकी उं सिंह सतायपा

इकी १०० जे अक्षरान्नानन्द हा किसे वानन्द वीता
धिपाय मन्त्रि शुभि कह नाथ सह कि सहीताय
पाइकी १०० ३ वलि ग्रिभल यानि
मातृका १०० जा १०० हे सा सनाय पाइकी अद्यात्र
न्रमाद्य वनद विमल न्रवन्मा ह्ये विच पाइकी व

लि - १०० वान सनाय पाइकी - अद्यात्र न्रमाद्य वनद
विमल के मा ह्ये विच पाइकी वलि १०० मयूरा स
नाय पाइकी अद्यात्र न्रमाद्य वनद विमल के को मा
ये विच पाइकी वलि १०० गत्रा सनाय पाइकी
अद्यात्र न्रमाद्य वनद विमल के वेषु वी विच पाइकी

वलि तुं महिषासनायपाइकी न्रदात्रन्रमाद्य
वनदेविमलनैवात्राद्यविशेषपाइकी वलि तुं ग
जासनायपाइकी न्रदात्रन्रमाद्यवनदेविमलनै
वैद्यविशेषपाइकी वलि तुं पुनासनायपाइकी
न्रदात्रन्रमाद्यवनदेविमलनै यं वासुधुविशेषपाइ

की वलि तुं श्रीहसनायपाइकी न्रदात्रन्रमाद्य
वनदेविमलनैमहालक्ष्मिविशेषपाइकी वलि ट
सुं सुं सुं शिखास्यकन्दमहारत्रवायपाइकी व
लि तुं श्रीसिनीगरेत्रवायपाइकी तुं न्रन्रन्रवा
यपाइकी वधुन्रवायपाइकी तुं काधरेत्रवा

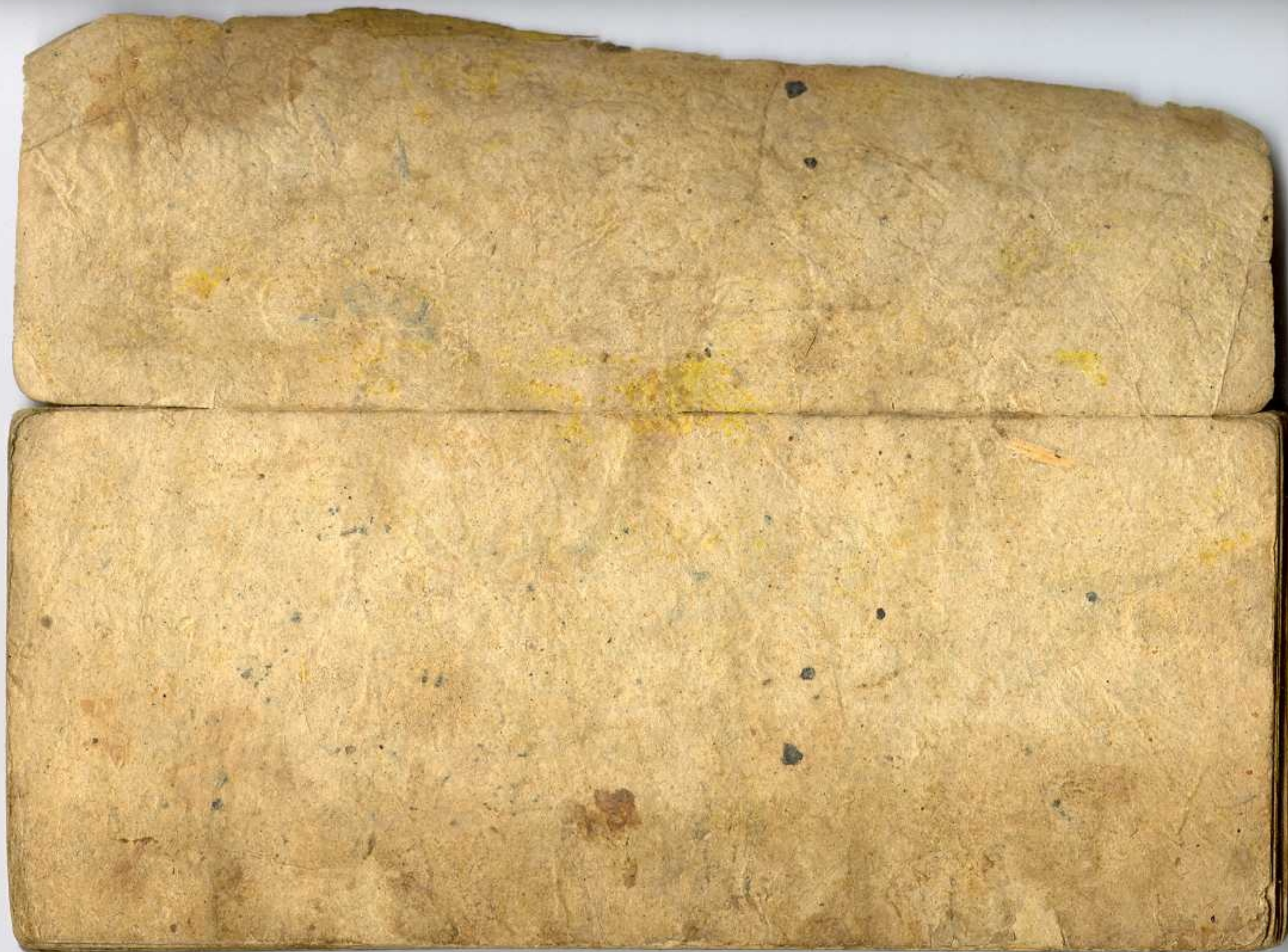
यपाइकीं तुं उन्मल्ले तवायपाइकीं तुं कपाली स
ले तवायपाइकीं तुं लीषहले तवायपाइकीं तुं स
हा तले तवायपाइकीं ३ तुं नरले तवैया ०० देव
लिं गट्क रखाहा नोवाहनादि स्वसमूदा उग
वहमा प्रजा न्यास तुं नोवाहनादि स्वसमूदा उग
वहमा प्रजा न्यास तुं नोवाहनादि स्वसमूदा उग

पाइकीं तुं सिंहासनायपाइकीं - तुं सहिषासनाय
पाइकीं तुं उन्मल्ले तवायपाइकीं तुं तिष्ठे तवाय
पाइकीं तुं नमो ह्रीं कीं वरहमा प्रजायपाइकीं
तुं कीं ताऊ प्रदं द्यु उग वरहमा प्रजायपाइकीं
सदानंदरत्नी मी ज्ञे स ० मृत्वा हं तपाइकीं ३

ASHA ARCHIVES

894

ASHA ARCHIVES



पू० बाला मयग्री क्रीउग्रचह्मयविद्यह इगर्भ
द्वेधीमहिने नोवह्मिपुष्पादयात् नोवाह्मनादि
धानिमुद्रा विन्दुगुर्य वागह्वत्रीपूजा
द्वेन्निर्दिष्टैकिकिकुदकह्ववागह्वत्रीपूजाम
इनात्रिकायेविष्वपाइकी पू० बाला नोवाह्

नादि धनमुद्रा नथकर्मपूजा कुंरुषास
नायपाइकी कुंमिहासनायपाइकी कुंस्वाहाव
दिप्रतासनायपाइकी ध्यान मीनीकुनेसमप्र
ख्याकृषिपूपावकादगी वीषसहासवेदनाव
वप्राइहिगीरह नरपाठयेविपूपायनने

का काम नृपि ही वात्रेपसादि मुकेता कर्मदेवी मृपा
 वहै कर्मदेवी मृकिये ध्यान प्रथम बाइका पायादि
 - नृपा न वेड वति छिगुय - नृपा नृपा नृपा नृपा
 हाकि होत्रवान नृवी ता विपगय स्यात् - नृपा नृपा नृपा
 सा विंशतिकर्म रत्ना नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा

० नृ वलि नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा
 पठि कृपा पदुग सन्दाहा पदुग सन्दाहा दिवा सिद्धि स मय
 कृपाइका वलि नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा
 माय पाइका वलि नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा
 ०० देवलि गट नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा नृपा

यानि विन्दु ॐ ह्यय विंशति ॐ गिरवह्मपू
जा ॐ ययामनायपाइकी ॐ अह्म ॐ गिरवह्मपू
हिरवह्म मने विह्म गिरवह्म रत्नात्रिंशु काय पाइकी
ॐ वलि आवाहनादि गिरवह्म मने ॐ जा ॐ
लकाने ॐ जा ॐ अह्म गाय प्रहिका मनाय पाइकी

ॐ अह्म महुला धिपति वक्र प्रता सनाय पाइकी ॐ सूर्य
महुला धिपति विष्णु प्रता सनाय पाइकी ॐ अह्म महु
ला धिपति ॐ अह्म प्रता सनाय पाइकी ॐ अह्म किमहुला धि
पति ॐ ॐ ॐ प्रता सनाय पाइकी ॐ अह्म महुला धि
पति सदा विव प्रता सनाय पाइकी ॐ अह्म सनाय पा

इकी तुं मिं हास नाय पाइकी धानि वृष संसीकानि
देव खव वृष पारुषाणि नृकवकी पिनेपु वपु ऊका
दहा धात्रि ही उम नृप उवा ही वरु मकु अ वडक
ही खपु वी हम वा अ व नृदा के नृदहि ही वाम खपु
गह लै वृष नृरु ले के पा सक धह क पा ले वी सवि

नृरु यी रय मा धानि पकन वधिनी जानु वा मो नृरु
न देवनी नृकवका पिनेपु व नृरु हम वे ही वधिनी
धिपु ऊका व नृदा नृक वी हस्कार य स व स नामा नृरु
हम नृरा दा स नृदहि वृष ले धिनी नृव धम स्वा म हाद
विधि प्र सिद्धि नृमानवा धानि पृष पाइकी

नीलनामिकाय हं सर्वदीक्षाधितनिहीकनिष्ठा
 यववदं सर्वसकलहोपमथनीनप्रपुत्राय हं
 नुर्वदुदया दिव्यैगान्यामः आधनाशुप्रसिका
 सनाप्रपादकी उत्रद्रप्रतासनायपादकी
 खदागर्गकहापाशुहलवतकहीप्राहापाप्रसिजगहकहा
 सिद्धलिंगाहृदुजवजनागसिमानाहिनी त्रुद्रक

गगीसत्रकुसिलिरीपचैतनीसन्दर्जीपञ्चयुदविजा
 जिगीरुगवर्गीहीसिद्धिलक्ष्मीरुज ध्यानपेधपादकी
 उज्जीहंहायुदाकात्रमः हीसिलक्ष्मीदेव
 पादकी पूजयामीतमः वलि गमयणी रकुसिद्धि
 लक्ष्मीविश्वेनवतचायधीमहितनालक्ष्मीप्रवादेया
 तु मालामने अस्यहीसिद्धिलक्ष्मीमालामनेस्य

मयूरा सना यः ॥ नश सना यः ॥ स
यः ॥ वेता सना वः ॥ मु सा सनयः ॥

ॐ ह्रीं स्वस्ति नमः शिवाय नमः ॥ श्री सिद्धिलक्ष्मी देवता प्रो वी
ऊं स्वाहा ॥ अकिं रेवुं की लर्क म म सर्वार्थ सिद्धय विनियोगा
ॐ नमः सर्व सिद्धिदा गिनी यो नमः सर्व सिद्धि मा देव
ह्या नमो नित्यादिता नन्द नन्दि नाय स कल कल च कलायि
कायि रगवत्येव ॥ कापालिनी गद्यथ ॐ श्री हं हं हं हं
क्रान्तमः ॐ यत्र महं सिनी निर्वीह मा र्जि देवी विषमाय

प्रवयधमती सकल इति गानिष्टकं अदितिनी सर्वायदी
गोविता त्रिहि सकल ॥ प्रपद्यमनि देवि त्राग के १ रु स
ह स वला शन न र विना मने सा रु द हि म म ॥ पु न्म द १
खा हि १ प्रि ठ ल न रि नि १ कि नि १ ख पु न ता उ य रु
द य र गा व द्या वा न्म म सकल मन्त्रा न्म न्मा ध य १ य न म
का न्म ही कि र ग व ती म हा र न रू प धा त्रि ही प्रि द ॥ व

हामिगसकलमनुमागहप्रहागजनवत्सलदेवीमहाः
कालीकालनामित्रीहं कृपसीदमदनापुनाकृत्रशना
हृन्कन्यकांकींजीहं कृच्छ्रस्वाहा **धर्म** वलिना
वाहनादि धानिमृदा विन्दुय **गुरु** कालीय
का **हं** नराक्षनायष्टप्रष्टिकासनायपाइकी सफा
विंहातिमृदुसनायपाइकी **हं** महाशिवीसनायपा

इकी **ध्यान** ब्रह्मादिर्षवकयगहृतिदिग्यतीतीमृच्छु
पूरेनयक्षिवाप्रलया नलव गस्या **हं** गमदहाहागकेद
विद्रुमातेपद्मस्तिगीरुगवतीपनमादहमस्यी सिंहतकी
लकपिअदगुर्नगाताहं यागीह्वती सकनमानवपक्षिव
की **हं** ललाहृत्तमपनहृमृ **हं** पाहापागु खदीगवातक
क्षीगीकितपातिपद्मी **ध्यान** प्रव्यपाइकी **हं** **हं** सिद्धि

कतालीकौं कौं हूं कुं नमः स्वाहा श्रीगुरुकाल्ये पा
इकी ३ वलि गभयपी कुं कालता गीविद्यह का
लसंकर्षणी धीमहि तन्न काली प्रवादयात् आवाह
नादि यानिमृदा उद्गम्याय पूजा न्यासः
नैकी सोः ०० य नत नैकी ही आध राय प्रष्टिका
सनाय पाइकी पंचपुता सनाय पाइकी त्रकपद्यास

नाय पाइकी ध्यान वाला कर्म मछुला रासी वगुर्वी हं सि
लायती पांशं कृष्ण गीष्वापंधनयनी शिवी रं ऊ
ध्यान प्रष्टी पाइकी नैकी सोः ०० वाला देवी पाइकी ३
वलि कुं कुं लुकी महप्रिप्रसन्दय पाइकी ३ व
लि कुं कुं नैकी आवाहनादि यानिमृदा विन्द
नैकी सोः ०० य नत नैकी ही आध राय प्रष्टिका

कारं श्रीसमर्थो वन्देसदासकलकोलिकमात्ररूपं
कृष्णं च त्रैलोक्यपालकदम्बमाला खर्वागरवर्ज्यं कृष्णं
कायहर्षं दात्रस्तिर्गुणवन्तं च त्रैलोक्यमात्रं श्रीसा
मन्तवद्वेकनाथ ॐ गिप्रसिद्धं स्वन्दस्वनातिउकानन
धर्मकृष्ण लोनीसर्गं किमुक्तिगान्धर्वनाथपाया
ल्लवेकवेसतहिखिवाहनाथ सिन्दूरसादमधम

किमानकद्वैतनिर्जितप्रनाथनपुयाधनदहलक्ष्मी
विश्वकृष्णमन्तवदसादसुगुपायाध्वयगदपतिमकला
र्थदाता ॐ कृष्णानीक्रियासासुयवन्तमितासा
धियामज्जलाख्या सा लोनीसावद्वैतगवगिवस
धमाहकावेद्युमध्म सावकासावविष्णुर्गहगदानमि
ताहेतवीक्ष्यपातामानकानकनूपाविविधगुहाद

साष्टाविंशतिरेदाक्रमकलनगातापागुदाग्रिंसावेहर्
ह्यमात्रको उत्प्रेक्षी यासाककोत्तिकहमा
स्फितिरास्यत्रयासामाकवक्षिप्रिषत्थदलमध्यसंस्त
विचरेयितुविषयाखविल्लीतहावासागवर्गवि
तपत्रांप्रहामासिकाली उन्दस्यवहात्रासतस्यदध
तीमरव्यललाटप्रणीसोक्तीकानिमनसूग्मेप्रिवसि

नेस्यागन्धगीसर्वगः पुष्पासोप्रिप्राहृदिभूतिप्रिवा
ष्वाः ८५४ सुदासंस्किगाम्निन्यात्रः ४ सहसापदेन्निशिरय
क्रातिर्मयीवाव्ययी मायाद्रुल्लिती प्र(६६६) ६६
वनिहमनाथद्रुकीवन्दुसंस्वत्री प्रिप्राहाटक
हीवषजाम्रायतमीसुत ॥ निर्वीहया ऊका
त्रहीगात्रवाचक्रकात्राकरवर्द्धरगुहंसवीऊ गा

नादयोगगगल्लहर्दनादिककुल्यत्रर्कप्रहामामितिह्य
पाथाहंपापकर्मोता अंगगन्धदि तर्प्यहा
नुंकात्रैक अम्ब स्थानकाकाय न्यासलिकाय
साक्षिधाय वलिकगर्त सख्यानवासाहवेपु
कसुततयागुचत्रहमत्रविन्दकाय लिङ्गमर्चनया
गुनिर्माल्यनिर्वाहयागुवलिसगत्य पितावय

वात्रप्रजामधुलधिल घटप्रकाशाय कानति
प्रप्रजामधुलादि हनमकप्रजा मधुलचन्दना
दि हुं हूं हौं हं ह४ हनमर्चनम४ ३ शिवप्रजा
मधुलवलिवाय श्रीकलवधायनम४ चन्दना
दि वात्रनिगलिमधुलप्रजा ०० तितितियक
मविधि४ सम्यक् २१० शुभदायाचैवमीनागार्चव

ॐ नमः प्रसीपा इकी ॥ ॥ नुं को जी सुं सो ह द उ से ह द
म व न य सुं नुं जी म ह त्रि की हा व न न न द ता य त्रि की
(हा व न) म ह त्रि गाय सि द्धा क स च्छा धि का प्रा इ व च्छा नु
न म ४ सुं सुं जी को नु पा इ की ॥ १ ॥ नुं सुं सुं स च्छा
धि का ना य नुं सुं पा इ की पू क या मि ॥ २ ॥ ह द ४ शिव
स व र त्रि की हा पा इ की ॥ २० ॥ ३ ॥ ह स द म ल व न य

जी सी न व प री व सु क र त्रि की हा पा ० २० ॥ ४ ॥ नुं क ह
हं सुं सुं म्मा य त्रि की हा जी पा ० २० ॥ नुं द द म्मा य त्रि की
हिं हा द द म्मा य त्रि ० ॥ नुं क हं हं प च्छि म्मा य त्रि ० ॥
नुं क हं हं उ क र म्मा य त्रि ० ॥ नुं क हं हं उ क र म्मा य त्रि ० ॥
नुं क हं हं ४ हा ट क ४ व न म्मा य त्रि की हा जी पा ० २० ॥
को को हं द म ल व न य सुं ४ द ४ द ४ हं नुं पा ० २० ॥

पू०॥ ॥ पापहृदनिर्वाहा ॥ जेऊं कर्मां हूँ कोषट् ३ पू० ॥ पापह
 दहम यथा ० पू०॥ ॥ पत्रातिर्वाहा ॥ जेऊं मलवत्र ३ पू० ॥ महानि
 वी ॥ ४५ गानेदेनाथदमलवत्र ३ यातिर्वा ॥ ४५ गी ॥ यिपना
 म्वापा ०॥ पू०॥ ॥ सम्वर्कनिर्वाहा ॥ ल्वा ॥ निर्वाहासम्वर्क
 नदेनाथ ३ हूँ हूँ ॥ निर्वाहासम्वर्कका ॥ पा ० पू०॥ ॥
 मूलनिर्वाहा ॥ ॥ जेऊं हसदेमलवत्र ३ हूँ हूँ हसदेमलव
 त्र ३ महानिर्वाहा ॥ ४५ गानेदेनाथनिर्वाहा ॥ ४५ गीयजीवा

पा ० पू०॥ ॥ ०० ॥ आदिमकुहाएऊं नाने प्रमिवलिसहएऊं ने ॥ ४५ गी ॥
 निर्वाहासम्वर्क ॥ जेऊं निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥
 त ३ ४५ गीयजीवा ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥
 जने ॥ ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥
 नेहीगा नलेवात्रि ॥ कुं कालेकरवर्क ॥ गुरुहंसवीर्क ॥ तागाधि
 पाईमगनाईनाईकरवर्क ॥ प्रहामासिनिर्वाहा ॥ ॥
 पापाहं पापकर्मनी ॥ लिखिनी ॥ धन ॥ ४५ गी ॥

पा ० पू०॥ ॥ ०० ॥ आदिमकुहाएऊं नाने प्रमिवलिसहएऊं ने ॥ ४५ गी ॥
 निर्वाहासम्वर्क ॥ जेऊं निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥
 त ३ ४५ गीयजीवा ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥
 जने ॥ ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥ निर्वाहासम्वर्क ॥
 नेहीगा नलेवात्रि ॥ कुं कालेकरवर्क ॥ गुरुहंसवीर्क ॥ तागाधि
 पाईमगनाईनाईकरवर्क ॥ प्रहामासिनिर्वाहा ॥ ॥
 पापाहं पापकर्मनी ॥ लिखिनी ॥ धन ॥ ४५ गी ॥